ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ -5

गूदड़ साँईं

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

लेखक परिचय

जयशंकर प्रसाद

आधुनिक हिंदी के छायावादी युग के प्रमुख रचनाकार जयशंकर प्रसाद जी का जन्म वाराणसी में सन् 1889 में हुआ था। इनके पिता का नाम देवीप्रसाद था। प्रसाद जी की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा घर पर हुई। इन्होंने घर पर ही संस्कृत, हिंदी, फ़ारसी,. उर्दू का गहन अध्ययन किया। कविता के अतिरिक्त पुरातत्व और इतिहास के अध्ययन में इनकी रुचि थी। इन्होंने काव्य के अतिरिक्त कहानी, नाटक और उपन्यासों की रचना की। इस महान साहित्यकार की मृत्यु अल्पायु में ही हो गई।

रचनाएँ–*चित्राधर* (काव्य संग्रह) *तितली, कंकाल* (उपन्यास) *अजातशत्रु, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी* (नाटक), *आँधी, इंद्रजाल, छाया, आकाशदीप* (निबंध), *काव्य और कला* (निबंध)।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ प्रवेश-

यह एक सुप्रसिद्ध बाल मनोवैज्ञानिक कहानी है।इसमें गरीब साँईं में दुनिया देखता है,उसके अनुसार-बच्चे भगवान का स्वरूप होते हैं।उनके साथ खेलना ,हँसना सबको अच्छा लगता है। भगवान के रूप को सिर्फ़ बच्चों में देखा जा सकता है।वास्तव में बच्चों से ही जीवन सुखमय बनता है।यह कहानी मर्म को छू जाती है।

संबंधित प्रश्न-

१.यह किस प्रकार कि कहानी है?
२.भगवान के दुसरे रूप कौन है?
३.जीवन किससे सुखमय होता है?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सामान्य उद्देश्य -

बच्चे भगवान के रूप होते हैं ,इसलिए सभी उन्हें प्यार करते हैं।खुश रहने के लिए बहुत सारे धन की आवश्यकता नहीं है।

विशिष्ट उद्देश्य -

दुसरों के लिए स्नेह तथा सहयोग कि भावना छात्रों में जाग्रत करना।थोडे में संतुष्ट होने के लिए छात्रों को प्रेरणा देना।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) नज़र बचाना – पिताजी से नज़र बचाकर मोहन साँईं को खाना देता

(ख) आँखों से ओझल होना – माँ अपने बच्चे को आँखों से ओझल होने नहीं देती।

(ग) चपत लगाना – बच्चे के गलति देख पिताजी ने उसे चपत मारा।

(घ) रोना नहीं छूटना – साँईं को चोट लगने पर भी उनका रोना नहीं छूटा था।

(ङ) आश्चर्य से देखना – मोहन के पिताजी साँईं को आश्चर्य चकित होकर देखने लगे

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow